पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक :सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 अंक : डिजिटल बीकानेर : बुधवार 22 जुलाई 2026 पृष्ठ : 4 मूल्य : 1.00 रुपया

राहुल को धरने से पुलिस उठाकर ले गई

पीएम आवास पर प्रदर्शन के बाद एक्शन; सीक्रेट था प्लान, खड़गे के बर्थडे के बहाने नेताओं को बुलाया

नई दिल्ली एजेन्सी। कांग्रेस ने मंगलवार को दोपहर 3:30 बजे पीएम मोदी के आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग के पास धरना दिया। इसमें राहुल, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत कई नेता शामिल हुए।

राहुल ने नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और संसद में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की। इस दौरान पीएम मोदी इस्तीफा दो के नारे लगे।

ऐसा पहली बार हुआ कि पीएम आवास के पास किसी नेता प्रतिपक्ष ने धरना दिया हो। कांग्रेस ने प्लान बेहद सीक्रेट बनाया। खड़गे के बर्थडे के बहाने सांसदों और नेताओं को बुलाया था।

सरकार की ओर से स्थिति संभालने के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह को प्रदर्शन स्थल पर भेजा गया। उन्होंने राहुल से बातचीत की। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि राहुल ने पहले संसद में हृश्रज्ञ पेपर लीक और उससे जुड़े विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा कराने की मांग रखी।

सरकार ने इस पर सहमति जताई, लेकिन इसके बाद राहुल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी मांग कर दी। जितेंद्र सिंह के अनुसार, सरकार शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर सहमत नहीं हुई।

बातचीत बेनतीजा रहने के कुछ देर बाद पुलिस राहुल, प्रियंका, अखिलेश और अन्य कांग्रेस नेताओं को हटाने के लिए पहुंची। कांग्रेसियों ने राहुल को घेर लिया। पुलिस को अंदर नहीं जाने दिया। इस बीच धक्का-मुक्की हुई।

पुलिसकर्मी राहुल को ले जाने पहुंचे तो वह जमीन पर लेट गए। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया। कुछ कांग्रेसियों को मंदिर मार्ग थाना और कुछ को छत्रपाल स्टेडियम ले जाया गया। 3 घंटे बाद छोड़ा रात 9 बजे सभी को छोड़ दिया गया।

कांग्रेस की क्क्रूआवास को घेरने की सीक्रेट प्लानिंग

खड़गे ने जन्मदिन न मनाने का ऐलान किया: मंगलवार को सुबह से ही क्क्रूमोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जैसे बड़े नेताओं ने सोशल मीडिया पर खड़गे को जन्मदिन की बधाई दी। लेकिन इसके तुरंत बाद खड़गे ने ऐलान किया कि वे छात्र प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में जन्मदिन नहीं मनाएंगे।

बधाई देने के बहाने सीक्रेट मीटिंग: दोपहर में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई बड़े कांग्रेस नेता खड़गे के सरकारी आवास पहुंचे। सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया को यही लगा कि नेता केवल खड़गे को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए जुटे हैं। सरप्राइज मार्च की शुरुआत: खड़गे के आवास से प्रधानमंत्री आवास की दूरी महज 1 किलोमीटर है। बैठक खत्म होते ही सभी नेता गाड़ियों में बैठने के बजाय अचानक पैदल ही मार्च करते हुए सड़क पर निकल पड़े। दूरी कम होने के कारण जब तक दिल्ली पुलिस और सुरक्षा बल (क्र्न) एक्टिव होते और बैरिकेड्स लगाते, तब तक कांग्रेस नेता क्क्रूआवास के पास तक पहुंच चुके थे।

राहुल बोले- सरकार स्टूडेंट्स के मुद्दों पर संसद में चर्चा कराए

राहुल गांधी ने छत्रसाल स्टेडियम में बने डिटेंशन सेंटर से वीडियो जारी कर कहा- स्टूडेंट्स की मांग है कि धर्मेंद्र प्रधान और अमित शाह इस्तीफा दें। साथ ही जिन्होंने स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज किया, उन्हें मारा है, उन पर एक्शन लिया जाए। जिन स्टूडेंट्स पर पुलिस केस हैं, उन्हें हटाया जाए।

इसके अलावा सरकार स्टूडेंट्स से माफी मांगे। पूरा विपक्ष चाहता है कि इस मुद्दे पर लोकसभा-राज्यसभा में चर्चा हो और हम अपनी बात कह सकें।

प्रधान बोले- राहुल स्टूडेंट्स का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस स्टूडेंट्स का राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं। इन्होंने पीएम मोदी के घर के बाहर धरना दिया, जिससे लोगों को परेशानी हुई। सरकार के पूरी चर्चा के लिए तैयार होने की बात कहने के बाद भी कांग्रेस ने बहस के बजाय पॉलिटिकल तमाशा चुना। देश के स्टूडेंट्स पॉलिटिकल कैंपेन में सहारा बनने से कहीं बेहतर के हकदार हैं। हम अपने स्टूडेंट्स के लिए गुस्से से कहीं ज्यादा के कर्जदार हैं।

थाने से निकलकर प्रियंका बोलीं- धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा दें

थाने से रिहा होने के बाद प्रियंका गांधी ने कहा कि छात्रों की मांगें जायज हैं। लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। छात्रों की आवाज उठाना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है और कांग्रेस यह मुद्दा हर मंच पर उठाती रहेगी। देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें, संसद में इस मुद्दे पर चर्चा हो और छात्रों की बात सुनी जाए।

राहुल समेत सभी नेताओं को रिहा किया गया

प्रधानमंत्री आवास के पास से हिरासत में लिए गए राहुल गांधी समेत सभी नेताओं को पुलिस ने रिहा कर दिया। पुलिस ने राहुल-अखिलेश समेत सभी प्रदर्शनकारियों को छत्रसाल स्टेडियम में रखा था।

नीट अभ्यर्थियों को पीएम मोदी की गारंटी:

'आपकी मेहनत बेकार नहीं जाएगी, दोषियों पर होगी कड़ी कानूनी कार्रवाई'

नई दिल्ली एजेन्सी। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में धांधली और पेपर लीक के मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार का रुख पूरी तरह साफ कर दिया है। मंगलवार को एनडीए (NDA) संसदीय दल की 'मंगल मिलन' बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने छात्रों को आश्वस्त किया कि उनके भविष्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता व जवाबदेही तय की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भरोसा दिलाया कि छात्रों के भविष्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और कहा कि NEET परीक्षा में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हृ्रु की 'मंगल मिशन' बैठक में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा करने और परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

NDA बैठक में नेताओं को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि सरकार किसी भी गड़बड़ी के कारण छात्रों का भविष्य खराब नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, 'हम छात्रों के भविष्य को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी चीज़ की इजाज़त नहीं देंगे।' प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि NEET परीक्षा में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार पाए जाने वालों को कड़ी सज़ा दी जाएगी। 'NEET में गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्हें जेल भेजा जाएगा।'

'राष्ट्रीय चिंता का विषय, न हो राजनीति'

प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक होना एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है और इस संवेदनशील मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी राज्यों से भी अपील की कि जहाँ कहीं भी ऐसी गड़बड़ियाँ सामने आएं, वहां बिना किसी ढिलाई के त्वरित व सख्त कार्रवाई की जाए। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया कि योग्य उम्मीदवारों का समय और भविष्य प्रभावित न हो, इसके लिए पारदर्शी तरीके से दोबारा परीक्षा (Re-exam) आयोजित कर परिणाम भी समय पर घोषित किए गए।

किसानों का दिल्ली कूच, हरियाणा में बॉर्डर सील

ट्रेड डील का विरोध, किसान नेता, सीजेपी समर्थक हाउस अरेस्ट; कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर 4 किमी लंबा जाम

नई दिल्ली एजेन्सी। कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संसद घेराव और किसानों की महापंचायत को देखते हुए हरियाणा के पंजाब, दिल्ली और यूपी से लगे बॉर्डरों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कई जिलों में किसान नेताओं और CJP समर्थकों को हाउस अरेस्ट या डिटेन किया गया है। किसानों ने अमेरिका-भारत फ्री ट्रेड डील के विरोध में दिल्ली में महापंचायत बुलाई है इसका असर रोहतक, सोनीपत, अंबाला, कुरुक्षेत्र, झज्जर, पानीपत और करनाल समेत 12 जिलों में दिख रहा है। अंबाला के शंभू बॉर्डर पर 27 जुलाई तक धारा 163 लागू कर 5 या अधिक लोगों के जुटने पर रोक लगा दी गई है।

सोनीपत के कुंडली-सिंघु बॉर्डर पर करीब 4 किमी लंबा जाम लगा है। हरियाणा पुलिस वज्र वाहन तैनात कर वाहनों की सघन जांच कर रही है। जांच के बाद ही दिल्ली की ओर प्रवेश दिया जा रहा है।

सीजेपी समर्थकों-किसानों के प्रदर्शन से जुड़े अपडेट्स...

कुरुक्षेत्र-हिसार में बस से जा रहे किसानों को रोका: कुरुक्षेत्र में प्राइवेट बस से दिल्ली जा रहे किसानों को पुलिस ने ज्योतिसर चौकी के पास लगे नाके पर रोक लिया। बस में करीब 30 किसान थे, जिनको पुलिस ने हिरासत में लिया है। इनमें भारतीय किसान यूनियन पिहोवा के प्रवक्ता प्रिंस वड़ैच भी शामिल है। हिसार एरिया में दिल्ली पुलिस ने बहादुरगढ़-द्वारका बाईपास पर बैरिकेड लगा दिए है। निजी वाहन सख्त चेकिंग के बाद ही पास हो रहे हैं।

छात्राओं का प्रदर्शन, प्रिंसिपल सस्पेंड महेंद्रगढ़ के कनीना मंडी सरकारी स्कूल की छात्राओं ने सोनम वांगचुक के समर्थन और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। इसका वीडियो सामने आने के बाद उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधिकारी से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट के आधार पर प्रिंसिपल नरेश कुमार को सस्पेंड कर दिया। 13 महीने बाद खुला शंभू बॉर्डर फिर बंद: किसान आंदोलन की वजह से हृ॥-44 (जीटी रोड) पर हरियाणा-पंजाब का शंभू बॉर्डर 13 महीने (करीब 401 दिन) बंद रहा था। यह 13 फरवरी 2024 को सील किया गया। हाईकोर्ट तक मामला पहुंचा, उसके बाद 20 मार्च 2025 को खोला गया। अब इसे दोबारा बंद किया गया है।

इस बॉर्डर से दिल्ली-अंबाला-अमृतसर का ट्रैफिक निकलता है।

यूक्रेन में शिप पर हमला, 4 भारतीयों की मौत:भारत ने कहा- कारोबारी जहाजों को निशाना बनाना गलत; यूक्रेन बोला- रूसी मिसाइलों से हमला हुआ

नई दिल्ली एजेन्सी। यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से रवाना हुए कार्गो जहाज 'MV गोल्डन लियो' पर रविवार को हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई। एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है। अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। इस बीच भारत सरकार ने रूस के राजदूत को तलब किया है। समाचार एजेंसी PTI ने सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी। इससे पहले भारत सरकार ने सोमवार को हमले की कड़ी निंदा की थी और कहा कि कारोबारी जहाजों और बेगुनाह नागरिकों को निशाना बनाना पूरी तरह गलत है। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारतीय दूतावास लगातार यूक्रेनी अधिकारियों के संपर्क में है और प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद की जा रही है। उधर, यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक गोल्डन लियो जहाज ओडेसा से मक्का लेकर रवाना हुआ था। पोर्ट से निकलने के कुछ देर बाद उस पर तीन रूसी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया। यूक्रेन की नौसेना ने कहा कि हमले के बाद जहाज में आग लग गई।

एनएचएआई ने 5 से 30 रुपए तक बढ़ाई टोल दरें

सोमवार रात 12 बजे से बढ़ी रेट लागू हुई, जयपुर-दिल्ली का सफर 25 रुपए महंगा

जयपुर कासं। जयपुर से होकर गुजर रहे नेशनल हाईवे पर गुजरने वाले ट्रक, बस, लॉरी ड्राइवरों को अब ज्यादा टोल टैक्स देना होगा। नेशनल हाईवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया (NHAI) ने टोल की दरों में रात से बढ़ोतरी की है। ये बढ़ोतरी 5 रुपए से लेकर 30 रुपए तक की है। जयपुर-दिल्ली (ओल्ड हाइवे) हाईवे पर मनोहरपुर टोल प्लाजा, अजमेर-आगरा कनेक्टिंग रिंग रोड के सीतारामपुरा टोल और जयपुर-सीकर बाइपास पर टाटियावास टोल पर ये बढ़ोतरी की है। बढ़ोतरी बीती रात 12 बजे से लागू हो गई हैं।

जयपुर-दिल्ली का सफर 25 रुपए महंगा :

मनोहरपुर टोल मैनेजर से मिली रिपोर्ट के मुताबिक कार, जीप या वैन चालक (प्राइवेट वाहन) पर टोल रेट पर 5 रुपए की बढ़ोतरी की है, जबकि लाइट कॉमर्शियल व्हीकल जैसे मिनी ट्रक, टैम्पो, बस, बड़े ट्रक या हैवी कॉमर्शियल व्हीकल पर ही टोल की दरों में 5 रुपए से लेकर 30 रुपए तक बढ़ाए हैं। इसी तरह शाहजहांपुर टोल पर कार, जीप या वैन चालक (प्राइवेट वाहन) पर 20 रुपए की बढ़ोतरी की है, यहां पहले टोल 195 रुपए था, जो अब बढ़कर 215 रुपए कर दिया है।

इन पर कॉमर्शियल दरें बढ़ी

जयपुर-सीकर टाटियावास, रिंग रोड (बस्सी सीतारामपुरा) पर टोल की दरें तो बढ़ाई हैं, लेकिन इन पर रेट कॉमर्शियल वाहनों पर ही कीमतों में बढ़ोतरी की है। निजी वाहनों पर टोल दरें पुरानी ही हैं।

जयपुर समेत 8 जिलों में डेंगू-मलेरिया का सबसे ज्यादा खतरा

स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाई रिस्क एरिया माना; मच्छरों को पनपने से रोकने का आदेश

नई दिल्ली एजेन्सी। देश में इस साल कमजोर मानसून रहने का अनुमान है। कम बारिश, नमी और गर्मी को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मौसमी बीमारियां ज्यादा होने की आशंका जताई है।

मंत्रालय ने पिछले दिनों देश के सभी राज्यों को पत्र लिखकर मौसमी बीमारियों (डेंगू-मलेरिया) के ज्यादा बढ़ने की आशंका जताते हुए इसके बचाव की तैयारियां रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही हर राज्य में हाई रिस्क जिलों की लिस्ट तैयार की है, जिसमें विशेष मॉनिटरिंग की जरूरत बताई है।

जयपुर सहित राजस्थान के 8 जिलों को हाई रिस्क एरिया में शामिल किया है। मंत्रालय ने पिछले तीन साल की रिपोर्ट देखते हुए उन जिलों को हाई रिस्क एरिया में माना है, जहां डेंगू-मलेरिया के 500 या उससे ज्यादा केस मिले हैं।

मच्छरों को पनपने से रोकने के करने होंगे उपाय

मंत्रालय ने हाई रिस्क एरिया में शामिल जिलों में मच्छरों को पैदा होने (पनपने) से रोकने के लिए हर सप्ताह ड्राइंग-डे एक्टिविटी करने के आदेश दिए हैं। इसमें आमजन को जागरूक करने के साथ-साथ उन एरिया में एंटीलार्वा एक्टिविटी की जाएंगी, जहां मच्छरों के पनपने की सबसे ज्यादा आशंका रहती है।

यूपी में सबसे ज्यादा जिले

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 23 जिले स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिह्नित किए हैं, जिनमें डेंगू-मलेरिया फैलने की सबसे ज्यादा आशंका जताई है। महाराष्ट्र के 15, पश्चिम बंगाल के 13, बिहार व पंजाब के 9-9, हरियाणा के 8, दिल्ली के 7, मध्य प्रदेश, गुजरात व उत्तराखंड के 4-4 और छत्तीसगढ़ का 1 जिला शामिल है।

रैपिड रेस्पॉन्स टीम बनाने के निर्देश

मंत्रालय ने सभी राज्यों को इस तरह की बीमारियों को कंट्रोल करने के साथ-साथ ही ट्रेसिंग और प्राथमिक ट्रीटमेंट के लिए रैपिड रेस्पॉन्स टीम बनाने के निर्देश दिए हैं। पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ब्लड कॉम्पोनेंट के साथ-साथ दवाइयों का स्टॉक रखने के निर्देश दिए हैं।

मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन (MWGJA) का वार्षिक पिकनिक एवं वार्षिक आम सभा (AGM) अंचावियो रिसॉर्ट में सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई (खबर आस पास): मुंबई होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन (MWGJA) द्वारा वार्षिक पिकनिक 'मेघ मल्हार 3.0' एवं वार्षिक आम सभा (AGM) का सफल आयोजन अंचावियो रिसॉर्ट, वाडा में किया गया। दो दिवसीय इस आयोजन में एसोसिएशन के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने सदस्यों को आपसी मेल-जोल, नेटवर्किंग, मनोरंजन एवं एसोसिएशन की वार्षिक गतिविधियों पर चर्चा का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया।

कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री महेश बाफना, महासचिव श्री श्रेयांस कोठारी, पूर्व अध्यक्ष श्री प्रकाश जैन, पूर्व सचिव श्री अनिल पामेचा, उपाध्यक्ष श्री संदीप कोठारी एवं श्री दिनेश कोठारी, कोषाध्यक्ष श्री कमल मेहता, संयुक्त सचिव श्री रिंकू बाफना, एडवाइजरी बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य, समिति सदस्य एवं बड़ी संख्या में एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित रहे।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री महेश बाफना ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि MWGJA केवल एक संस्था नहीं बल्कि पूरे ज्वेलरी व्यापार परिवार को जोड़ने वाला एक मजबूत मंच है। उन्होंने संगठन की भावी योजनाओं, सदस्यों के हित में किए जा रहे कार्यों तथा एसोसिएशन के स्वयं के कार्यालय के निर्माण के संकल्प पर प्रकाश डाला तथा सभी सदस्यों से इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने का आह्वान किया।

महासचिव श्री श्रेयांस कोठारी ने एसोसिएशन की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि Membership Drive पूरे उत्साह के साथ जारी है, जिससे लगातार नए सदस्य MWGJA परिवार से जुड़ रहे हैं। उन्होंने एसोसिएशन की वित्तीय स्थिति, तस्ज्ञ सेमिनार, MWPL Season 2 की सफलता, आगामी BIS-HUID जागरूकता सेमिनार तथा सदस्यों की सुविधा एवं नेटवर्किंग को बढ़ावा देने के

उद्देश्य से MWGJA की नई आधिकारिक वेबसाइट एवं iOS तथा Android मोबाइल ऐप के शुभारंभ की जानकारी भी दी। कोषाध्यक्ष श्री कमल मेहता ने एसोसिएशन का वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करते हुए संस्था की सुदृढ़ आर्थिक स्थिति एवं भविष्य की वित्तीय योजनाओं की जानकारी सदस्यों के समक्ष रखी। उपाध्यक्ष श्री संदीप कोठारी ने सदस्यों से एसोसिएशन की गतिविधियों में अधिक से अधिक सहभागिता निभाने तथा आपसी सहयोग एवं नेटवर्किंग को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

उपाध्यक्ष श्री दिनेश कोठारी ने संगठन की एकता एवं युवा सदस्यों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से MWGJA निरंतर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है।

पूर्व अध्यक्ष श्री प्रकाश जैन ने सफल आयोजन के लिए पूरी मैनेजिंग कमेटी को बधाई देते हुए कहा कि एसोसिएशन लगातार प्रगतिशील कार्यों के माध्यम से ज्वेलरी व्यापारियों के हित में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

कार्यक्रम के अंत में पूर्व सचिव श्री अनिल पामेचा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी सदस्यों, पदाधिकारियों, प्रायोजकों, संयोजकों एवं आयोजन से जुड़े सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

एसोसिएशन ने मेघ मल्हार 3.0 के सफल आयोजन के लिए कार्यक्रम संयोजक श्री नितेश धाकड़, श्री धीरज मेहता, श्री मितेश कोठारी एवं श्री लोकेश बाफना के विशेष योगदान की सराहना की। साथ ही कार्यक्रम के प्रायोजक Grafi&wale एवं BVC Logistics का भी विशेष आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से यह आयोजन अत्यंत सफल रहा।

मनोरंजन, खेल, नेटवर्किंग एवं आपसी सौहार्द से भरपूर इस वार्षिक पिकनिक एवं तरू ने एक बार फिर MWGJA की एकजुटता, संगठनात्मक मजबूती एवं ज्वेलरी व्यापार के समग्र विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया।

नशे को कहें ना, शिक्षा को दें प्राथमिकता : एसीजेएम संजीव कुमार

(खबर आस पास)
लूणकरणसर श्रेयांस बैद। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बीकानेर के निर्देशानुसार राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता एवं जनचेतना शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजीव कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, चरित्र, परिवार तथा भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर शिक्षा को जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य बनाने तथा सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय दंड संहिता (वर्तमान आपराधिक कानूनों के संदर्भ सहित) एवं विभिन्न विधिक प्रावधानों की सामान्य जानकारी देते हुए कानून के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकार मित्र एवं पैनल सदस्य श्रेयांस बैद ने विद्यार्थियों को उनके विधिक अधिकारों, कर्तव्यों, साइबर सुरक्षा, बाल संरक्षण तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर पुष्पेंद्र चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, शिक्षा के प्रति समर्पित रहने तथा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने 'नशे को ना कहें, अपने सपनों को हाँ कहें' का संकल्प लेते हुए समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने का संकल्प लिया ।विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुगना राम गुरिया ने आभार जताया ।

राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत 54 हैक्टेयर क्षेत्रफल में फल बगीचा स्थापना के लक्ष्य

किसानों को मिलेगा फल बगीचा स्थापना पर देय 40 प्रतिशत अनुदान का लाभ

ह्(खबर आस पास)
बीकानेर श्रेयांस बैद। जिले में पूर्व में फल वृक्ष बगीचा स्थापना पर अनुदान उद्यान विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत स्वीकृत किया जाता था। वहीं अब जिलें के किसानों को राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के तहत देय अनुदान परियोजना से लाभान्वित किया जाएगा। उप निदेशक उद्यान (अनुसंधान) एटीसी प्रेमाराम ने बताया कि राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत फल बगीचा स्थापना करने के इच्छुक किसान 'राजकिसान साथी' पोर्टल पर अनुदान के लिए आवेदन कर सकते हैं। जिले को 54 हैक्टेयर क्षेत्रफल में बगीचा स्थापना के लक्ष्य मिले हैं।

उद्यान विभाग के सहायक निदेशक मुकेश गहलोत ने बताया कि प्रथम श्रेणी में पपीता, बेल, बेर, आंवला, सीताफल, करौदा, कटहल, जामुन जैसे फल वृक्ष बगीचा स्थापना पर 75 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर तक श्रेणी द्वितीय में मौसंबी, संतरा, किन्नू, अनार, अमरूद, नीम्बू फल वृक्ष बगीचा स्थापना सामान्य अन्तराल पर करने पर राशि 1 लाख 25 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर एवं उच्च सघनता पर बगीचा स्थापना करने पर 2 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर इकाई लागत निर्धारित की गई है। सामान्य कृषक को इकाई लागत का 40 प्रतिशत प्रोरेटा बेसिस अधिकतम 2 हेक्टेयर तक अनुदान 2 वर्ष में देय है। अनुसूचित क्षेत्रों के अनुसूचित जाति व जनजाति कृषकों को प्रोरेटा बेसिस पर अधिकतम 2 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 50 फीसदी अनुदान देय है। प्रथम वर्ष में सहायता राशि का 60 प्रतिशत एवं द्वितीय वर्ष में 80 प्रतिशत पौधे जीवित होने की दशा में 40 प्रतिशत राशि प्लान्टिंग मैटेरियल पर व्यय के लिए हैं। नए फल बगीचा स्थापना आवेदन के साथ ही कृषक को ड्रिप संयंत्र स्थापना के लिए पीडीएमसी सूक्ष्म सिंचाई योजना में आवेदन करना होगा। बगीचे तैयार करने के लिए फसल विशेष के अनुसार निर्धारित दूरी पर निश्चित आकार के गड्ढे खुदवाने होंगे। गड्?ढे भरने में उपयोग आने वाले उर्वरक एवं पौध संरक्षण रसायन आदि किसान के स्तर से उपयोग किए जाएंगे। नए फल बगीचे तैयार करने के लिए ड्रिप संयंत्र लगाना अनिवार्य है। ड्रिप संयंत्र लगाए बिना फल बगीचे के लिए फलदार अनुदान उपलब्ध नहीं कराया जाएगा।

फलों में नींबू के बीज या टिश्यू कल्चर तकनीकी से उत्पादित पौधों के अलावा अन्य सभी बगीचे तैयार करने में ग्राफ्टेड पौधरोपण सामग्री का उपयोग किया जाएगा। किसान फल बगीचों की स्थापना के लिए राजहंस नर्सरियों एवं सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स में उत्पादित पौधों को प्राथमिकता से क्रय कर सकता है तथा अनुपलब्धता की स्थिति में कृषि विश्वविद्यालय या सम्बद्ध कृषि महाविद्यालय या कृषि अनुसंधान केन्द्र या कृषि विज्ञान केन्द्र या राजस्थान ऑलिव कल्टीवेशन लिमिटेड, केन्द्र या राज्य सरकार एवं अन्य राजकीय संस्था अथवा निजी एक्रिडेटेड नर्सरीयों से पौधे खरीद कर बगीचा लगाता है, तो उसे नियमानुसार अनुदान देय होगा। किसान को नये फल बगीचो की साइट पर कृषक का नाम व पूर्ण पता, स्थापित वर्ष, कुल क्षेत्रफल, फसल व किस्म का नाम, राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत अनुदानित इत्यादि की जानकारी का बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा।

जिला कलेक्टर ने निशांत जैन ने पुनरासर पी एच सी का किया निरीक्षण

हनुमान जी के दरबार में लगाई धोक, पुजारी परिवार ने दिया बालाजी का आशीर्वाद

श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर तोलाराम मारू। बीकानेर जिले के उप खंड श्रीडूंगरगढ़ के ग्राम पुनरासर मे जिला कलेक्टर निशांत जैन पहुंचे। यहां पर प्रसिद्ध पुनरासर हनुमानजी धाम मे बाबा के दरबार में पहुंच कर धोक लगाई तथा जिले मे अमन चेन खुशहाली की कामना की। बारीदार पुजारी परिवार के पुजारी छत्र सिंह बोथरा सुरेन्द्र बोथरा प्रदीप बोथरा मोतीलाल बोथरा पवन बोथरा ने बाबा का विशेष पूजन व जोत कराई। बीकानेर जिला कलेक्टर निशांत जैन को शाल ओढ़ाकर बाबा की तस्वीर भेंट कर रामायण तथा श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया।

जिला कलेक्टर महोदय यहां से पुनरासर पी एच सी पहुंचे। वहां पर मेडिकल स्टाफ उपस्थित नहीं मिलने पर अनुपस्थित स्टाफ को नोटिस देने की बात कही। अस्पताल में मोजूद रोगियों से भी अस्पताल की व्यवस्थाओं का फीड बेक लिया। जिला कलेक्टर ने उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों को सभी व्यवस्थाएं ठीक करने के निर्देश दिए।

इस दौरान उनके साथ उप खंड अधिकारी शुभम शर्मा तहसीलदार श्रीवर्धन शर्मा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।।इस अवसर पर पुजारी परिवार के मैनेजर राजू भादानी जगदीश पारीक तथा गांव के अनेक मुख्य लोगों ने जिला कलेक्टर का सम्मान किया

हॉस्टल से दीवार फांदकर निकले 2 नाबालिग छात्र गायब, पुलिस ने शुरू की तलाश

बीकानेर (खबर आस पास): जेएनवीसी थाना क्षेत्र के विराट नगर स्थित एक यूथ हॉस्टल से दो नाबालिग छात्रों के अचानक लापता होने से हड़कंप मच गया है। घटना के बाद परिजनों और हॉस्टल प्रबंधन में चिंता का माहौल है। हॉस्टल संचालक बजरंग लाल की रिपोर्ट के अनुसार सोमवार देर रात 12 वर्षीय लक्ष्मण सिद्ध और क्रियांशु नामक छात्र हॉस्टल की दीवार फांदकर बाहर चले गए, उसके बाद से दोनों का कोई पता नहीं चला। हॉस्टल प्रबंधन और परिजनों ने रिश्तेदारों और जान-पहचान वालों के यहां खोजबीन की, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं लगा। मामले की सूचना पर जेएनवीसी थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। दोनों छात्रों की तलाश के लिए एक विशेष टीम भी बनाई गई है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी को दोनों बच्चों के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत जेएनवीसी थाना या नजदीकी पुलिस स्टेशन को सूचित करें।

सीईओ शैलजा पांडे का ग्राम सेवा शिविरों का औचक निरीक्षण: लंबित काम जल्द निपटाने के दिए निर्देश

(खबर आस पास)
बीकानेर : ग्रामीणों को समय पर राहत देने के मकसद से चल रहे ग्राम सेवा शिविरों की जमीनी हकीकत परखने के लिए जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी शैलजा पांडे मंगलवार को बदरासर और जालवाली ग्राम पंचायतों में पहुंची। उन्होंने फॉलोअप कैंपों का निरीक्षण कर विभिन्न विभागों के कामकाज की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि शिविरों में सभी विभाग समय पर उपस्थित रहें और लोगों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि ग्राम सेवा शिविरों का मकसद ही यही है कि ग्रामीणों को उनके गांव में ही हर समस्या का समाधान मिल जाए। शिविरों में आए लंबित प्रकरणों को तय समय में निपटाया जाए ताकि आमजन को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़े। विद्युत विभाग को नए कनेक्शन, मीटर बदलने और अन्य बिजली संबंधी लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। बदरासर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त हॉल और कक्ष बनाने की मांग पर सीईओ ने सकारात्मक रुख दिखाया और संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने को कहा। उन्होंने स्कूल में विद्यार्थियों से बातचीत भी की। शिक्षा, अनुशासन और मेहनत के महत्व पर जोर देते हुए बच्चों को लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। सीईओ ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने गांवों में सफाई, कचरा प्रबंधन और जनभागीदारी बढ़ाकर अभियान को और प्रभावी बनाने पर बल दिया। इस दौरान विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा सहित अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

एबीवीपी का सदस्यता अभियान शुरू: बीकानेर से 40 हजार छात्र-छात्राओं को जोड़ने का लक्ष्य

(खबर आस पास)
बीकानेर: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सोमवार से अपना वार्षिक सदस्यता अभियान आरंभ कर दिया। प्रेस वार्ता में अभियान की रूपरेखा और लक्ष्यों की जानकारी दी गई। प्रांत सह मंत्री पूनम मेड़तिया ने बताया कि इस साल जोधपुर प्रांत में 1.83 लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसमें बीकानेर संभाग के लिए 40 हजार विद्यार्थियों को परिषद से जोड़ने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने कहा कि एबीवीपी छात्रहित, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और व्यक्तित्व विकास जैसे क्षेत्रों में निरंतर काम कर रहा है। परिषद का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता

विकसित कर उन्हें राष्ट्र सेवा से जोड़ना है। मेड़तिया ने बताया कि सदस्यता अभियान दो चरणों में होगा

- पहला चरणः 21 से 30 जुलाई तक स्कूलों में
- दूसरा चरणः 3 से 12 अगस्त तक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में

इस दौरान बीकानेर संभाग के सभी जिलों और नगरों में कार्यकर्ता जनसंपर्क कर छात्रों को परिषद के विचार, छात्रहित के आंदोलनों और सेवा कार्यों से अवगत कराएंगे। प्रांत सह मंत्री ने कहा कि एबीवीपी का मकसद सिर्फ सदस्य बढ़ाना नहीं है। शिक्षा, संस्कृति और सेवा के जरिए युवाओं को राष्ट्र निर्माण से जोड़कर उनके सर्वांगीण विकास पर जोर है। उन्होंने अधिक से अधिक छात्रों से एबीवीपी से जुड़कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। प्रेस वार्ता में संभाग संयोजक मेहुल शर्मा और बीकानेर जिला संयोजक करण जाड़ीवाल भी मौजूद रहे।